रोहतक, 18 नवंबर 2026: महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (MDU), रोहतक में 'साइबर जागरूकता और AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) बेसिक सेशन' पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसका आयोजन पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर स्किल एंड वोकेशनल एजुकेशन (PDDUCSVE) ने UIET, MDU, रोहतक के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से किया था। यह कार्यशाला "एक सुरक्षित डिजिटल भारत के लिए युवाओं को साइबर सुरक्षा कौशल से सशक्त बनाना" (Empowering Youth with Cyber Security Skills for a Safer Digital India) विषय पर आयोजित की गई थी। इसका आयोजन UIET, MDU, रोहतक के सिविल और इलेक्ट्रिकल ब्लॉक की पहली मंजिल पर स्थित सेमिनार हॉल में किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. प्रभाकर कौशिक (संयोजक), डॉ. राजेश कुमार (सह-संयोजक) और डॉ. गुरदयाल सिंह (समन्वयक - जो UIET के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं) के नेतृत्व में किया गया। इसमें सिस्को CSR (Cisco CSR) और NIIT फाउंडेशन के विशेषज्ञों ने सत्रों का संचालन किया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए, डॉ. प्रभाकर कौशिक ने अतिथियों, वक्ताओं, फैकल्टी सदस्यों और छात्रों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह केंद्र युवाओं को रोजगार-उन्मुख और कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान करने के मिशन पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमिता (entrepreneurship) की भावना विकसित करना है, ताकि वे नौकरी खोजने वाले (job seekers) के बजाय नौकरी देने वाले (job creators) बन सकें।

उन्होंने कहा, "आज हमारा पूरा जीवन मोबाइल और इंटरनेट पर निर्भर है। हमारी पढ़ाई, पैसे, तस्वीरें और पहचान - सब कुछ ऑनलाइन है। इसलिए, आज के युवाओं के लिए 'डिजिटल कौशल' सबसे महत्वपूर्ण है। कौशल, नवाचार (innovation) और उद्यमिता अब केवल जरूरतें नहीं, बल्कि एक अनिवार्यता बन गई हैं।"

सत्रों के दौरान, सिस्को CSR और NIIT फाउंडेशन के विशेषज्ञों - संदीप ठाकुर और सचिन कुमार - ने छात्रों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, पासवर्ड सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, डेटा गोपनीयता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के जिम्मेदार उपयोग के बारे में जागरूक किया। छात्रों को डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए गए।

विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ इस कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने सवाल पूछे और सीखा कि वे खुद को साइबर खतरों से कैसे बचा सकते हैं।

समन्वयक डॉ. गुरदयाल सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव (vote of thanks) प्रस्तुत किया।